

प्रेषक,

किशन नाथ,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक, उद्योग,  
उद्योग निदेशालय,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

औद्योगिक विकास अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 28 मार्च, 2013

विषय: वित्तीय वर्ष 2012-13 में दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष राज्य पूँजी उपादान सहायता योजनान्तर्गत पुनर्विनियोग के माध्यम से धनराशि स्वीकृति के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: 5724/उ0नि0-(दो)-15/बजट-पुनर्वि/2012-13 दिनांक , 2012 के संदर्भ में तथा शासनादेश संख्या: 1139/VII-II-12/98-उद्योग/2005 दिनांक 19 जून, 2012 एवं संख्या: 1585/VII-II-12/98-उद्योग/2005 दिनांक 31 अगस्त, 2012 एवं शासनादेश संख्या 273/VII-II-13/98-उद्योग/2005 दिनांक 19 मार्च, 2013 के कम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2012-13 में दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष राज्य पूँजी उपादान सहायता योजना में आई0डी0 R 1303230348 दिनांक 26 मार्च, 2013 द्वारा पुनर्विनियोग के माध्यम से प्राप्त धनराशि ₹ 1900 हजार (एक उन्नीस लाख मात्र) को अलॉटमेंट आई0डी0 S1303230685 दिनांक 28 मार्च, 2013 के अनुसार अनुदानान्तर्गत उपलब्ध बचतों से व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि आपके निर्वहन पर इस आशय से रखी जा रही है कि धनराशि को व्यय करते समय मितव्ययता का विशेष ध्यान रखा जाय, तथा इस संबंध में समय-समय पर जारी शासनादेशों/आदेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

3- योजना के अंतर्गत पात्र उद्यमियों को प्राप्त होने वाली सहायता का नियमित सत्यापन किया जाय तथा समय-समय पर भेजे जाने वाले वित्तीय स्वीकृति के प्रस्तावों के साथ लाभार्थी उद्यमियों का भी विवरण प्रस्तुत किया जायेगा।

4- व्यय मात्र उन्हीं मदों में किया जाय, जिन मदों में धनराशि स्वीकृत की जा रही है। यह आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने से बजट मैनुअल/वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों का उल्लंघन होता हो। धनराशि व्यय के उपरान्त व्यय की गयी धनराशि का मासिक व्यय विवरण निर्धारित प्रारूप पर नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

5- जिन मदों से धनराशि व्यावर्तित की जा रही है उन मदों में इस वित्तीय वर्ष में कोई भी अतिरिक्त धनराशि स्वीकृत नहीं की जायेगी।



6- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय दिनांक 31 मार्च 2013 से पूर्व कर लिया जायेगा। यदि उक्त तिथि तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उस धनराशि को उक्त तिथि तक शासन को समर्पित कर दिया जायेगा।

7- उक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-23 के मुख्य लेखाशीर्षक-2851-ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग, 00-आयोजनागत, 102-लघु उद्योग, 23-दूरस्थ क्षेत्रों के लिये विशेष राज्यपूँजी उपादान सहायता-00-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता मद के नामे डाला जायेगा।

8- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 1123/XXVII(2)/2012, दिनांक 28 मार्च, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक : आई0डी0 S 1303230685 दिनांक 28 मार्च, 2013

बी0एम0-9 (आई0डी0 R 1303230348 दिनांक 28 मार्च, 2013)

भवदीय,

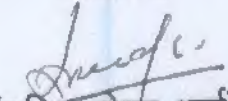
(किशन नाथ)  
अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 643 / VII-II-13 / 98-उद्योग / 2005 तद दिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, ओबराय बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा0 मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
5. अपर सचिव, वित्त (बजट) उत्तराखण्ड शासन।
6. अपर सचिव, नियोजन, उत्तराखण्ड शासन।
- ✓ 7. निदेशक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
9. गार्ड-फाईल।

आज्ञा से,

  
(संजित मोहन आर्य)  
संयुक्त सचिव।

बजट आवंटन वित्तीय वर्ष - 20122013

Secretary, Industry (S023)

आवंटन पत्र संख्या - 643

अनुदान संख्या - 023

अलोटमेंट आई टी - S1303230685

आवंटन पत्र दिनांक - 28-Mar-2013

HOD Name - Director Industries (2052)

- 1: लेखा शीर्षक - 2851 - ग्रामोद्योग तथा लघु उद्योग 00 -  
102 - लघु उद्योग 23 - दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष राज्यपूँजी उपादान सह  
00 - दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष राज्यपूँजी उपादान सहाय

Plan Voted			
मानक मद का नाम	पूर्व में जारी	वर्तमान में जारी	योग
20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज	48800000	1900000	50700000
	48800000	1900000	50700000

Total Current Allotment To Head Of The Department In Above Schemes - 1900000



**उत्तराखण्ड शासन**  
(वित्तीय वर्ष 2012-2013)  
**बी.एम. - 09**

अनुदान संख्या - 023  
पुनर्विनियोग स्वीकृति आदेश संख्या - .

बजटमेंट आईटी - R1303230348  
दिनांक - 26-Mar-2013

(In Rupees)								
क्रम संख्या	बजट प्राविधान तथा लेखाविसर्ग (1)	मानक नगरपालिका वार्षिक व्यय (2)	वित्तीय वर्ष के अवधि में अनुमानित व्यय (3)	अवशेष सरप्लस तथा वित्तित्त बनरासी (4)	लेखाविसर्ग विवरण बनरासी स्थानान्तरित की गयी है (5)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल बनरासी (6)	पुनर्विनियोग के बाद स्तम्भ -1 में कुल बनरासी (7)	अभिव्यक्ति
	2851 आनोद्योग तथा लघु उद्योग 00 102 लघु उद्योग 15 औद्योगिक विकास हेतु वित्तीय प्रोत्साहन 00 औद्योगिक विकास हेतु वित्तीय प्रोत्साहन (Plan Voted)				2851 आनोद्योग तथा लघु उद्योग 00 102 लघु उद्योग 23 दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष राज्य 00 दूरस्थ क्षेत्रों के लिए विशेष राज्य (Plan Voted)			
1	20 - सहायक अनुदान/अंशदान/र 2500000	100000	500000	1900000	20 - सहायक अनुदान/अंशदान/राज्य स 1900000	50700000	600000	
	योग			1900000	योग 1900000			

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्विनियोग से बजट मैनुअल के परिच्छेद 150,151,155,156 में उल्लिखित प्राविधानों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

पुनर्विनियोग किये जाने हेतु प्रपत्र 15 की मूल प्रति वित्तीय डाटा सेक्टर 23- लक्ष्मी रोड डालनवाला, देहरादून को उपलब्ध करायी जाय